



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 195]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 6, 1986/भाद्रा 15, 1908

No. 195]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 6, 1986/BHADRA 15, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1986

अधिसूचना

सं. 7/71/84-मैटल-1—उड़ीसा में गन्धमर्दन बाक्साइट निक्षेप के प्रस्तावित विकास का परियोजना और पर्यावरण अन्वय के साथ-साथ जन प्रवाह, शरणों, जड़ी-बूटियों, वृक्षों एवं मंदिरों पर पड़ने वाले प्रभाव का गहराई से अध्ययन करने के लिए, राष्ट्रपति द्वारा निम्नलिखित सदस्यों की एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति नियुक्त की जाती है:

- | | |
|--|---------|
| 1. डा. बी.डी. नागचौधरी, डी.एस.सी.,
मृतपूर्व उपकुलपति, जवाहर लाल नेहरू
विश्वविद्यालय, नई दिल्ली। | अध्यक्ष |
| 2. श्री एम.जी. पाध्ये,
मृतपूर्व अध्यक्ष,
केन्द्रीय जल आयोग तथा सचिव,
सिंचाई मंत्रालय, भारत सरकार। | सदस्य |
| 3. डा. बी.के. गोड़,
निदेशक,
राष्ट्रीय भूभौतिकी अनुसंधान संस्थान,
हैदराबाद | सदस्य |

2. समिति के विचारार्थ विषय निम्नलिखित होंगे:

- (1) गन्धमर्दन बाक्साइट निक्षेप के विकास से संबंधित पर्यावरण और परिवेश पहलुओं का व्यापक मूल्यांकन करना;
- (2) इस बाक्साइट परियोजना के कार्यान्वयन से परिवेश और पर्यावरण पर किस प्रकार के संभावित प्रतिकूल प्रभाव के निराकरण हेतु उपाय सुझाना;
- (3) गन्धमर्दन बाक्साइट परियोजना की पर्यावरण प्रबंध योजना की पुनरीक्षा करना और उसे सुदृढ़ बनाने के लिए उपाय, यदि कोई हों, तथा हलाके के परिवेश एवं पर्यावरण के हित में अतिरिक्त सुरक्षा-उपाय सुझाने के बारे में सुझाव देना; तथा
- (4) परिवेश और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य के अनुसरण में, परियोजना से संबंधित सभी एजेंसियों, विशेषतया केन्द्र सरकार, राज्य सरकार और भारत एन्युमिनियम कम्पनी, द्वारा सम्मिलित रूप से या अलग-अलग की जाने वाली कार्यवाही के बारे में सुझाव देना।

3. समिति, अपनी दृष्टानुसार, उचित समझी गई प्रक्रिया अपनाएगी। वह दो माह के अन्दर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

पी.के. साहिरी, अपर सचिव

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

New Delhi, the 5th September, 1986

NOTIFICATION

No. 7/71/84-Met. I.—With a view to study in depth the impact of the proposed development of the Gandhamardan Bauxite deposit in Orissa on ecology and environment, including inter-alia on the water falls, streams, Medicinal herbs, plants and temples, the President is pleased to appoint a high level Committee of Experts with the following members :—

1. Dr. B. D. Nag Chaudhuri, D.Sc.
former Vice Chancellor,
Jawaharlal Nehru University. ...Chairman
2. Shri M. G. Padhye,
former Chairman Central Water
Commission and Secretary, Ministry
of Irrigation, Government of India
...Member
3. Dr. V. K. Gaur,
Director, National Geo-physical
Research Institute, Hyderabad. ...Member

2. The Committee will have the following terms of reference :—

- (i) To comprehensively assess the environmental and ecological aspects of the development of the Gandhamardan Bauxite deposit.
 - (ii) To suggest steps for obviating any adverse effect on ecology and environment which the implementation of the bauxite project may have ;
 - (iii) To review the Environmental Management Plan of the Gandhamardan Bauxite Project and suggest measures, if any, for strengthening the same and providing additional safeguards in the interest of ecology and environment of the area, and
 - (iv) To suggest action to be taken in pursuance of the objective of protecting the ecology and environment, either jointly or individually by all the agencies concerned with the project, particularly, the Central Government, the State Government and Bharat Aluminium Company.
3. The Committee will adopt such procedure as it deems appropriate. It will submit its report in two months.

P. K. LAHIRI, Addl. Secy.